Title: Statement regarding award of Swarnajayanti Fellowships for young scientists .

14.59 hrs.

मानव संसाधन विकास मंत्री तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (डा. मुरली मनोहर जोशी): हमारी सभ्यता की परंपरायें सदैव ही तात्पर्य एवं सत्य में वैज्ञानिक जांच के सर्वोच्च महत्व से जुड़ी रही हैं। इस समृद्ध परंपरा के प्रति हार्दिक सम्मान के रूप में सरकार द्वारा हमारी स्वतंत्रता की ५०वीं वर्षगांठ के अवसर पर स्वर्ण जयंती फैलोशिप स्कीम का शुभारंभ किया गया था। इसका उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में बुनियादी अनुसंधान शुरू करने हेतु प्रोत्साहित करना तथा उत्कृष्टता के मानक प्राप्त करना है, जो विश्व में सर्वोत्तम के साथ स्पर्धा कर सके।

15.00 hrs.

३०-४० वर्ष की आयु वर्ग के उत्कृष्ट भारतीय युवा वैज्ञानिक जिन का ट्रैक रिकार्ड प्रमाणित हो चुका हो, इस फैलोशिप के पात्र हैं। चुने गए उम्मीदवारों को प्रतिमाह २५०००/- रुपए की फैलोशिप की आकर्षक राशि दी जाती है तथा उन्हें विज्ञान इंजीनियरी अथवा औषधि के अग्रणी क्षेत्रों में अनुसंधान के एक कार्यक्रम के लिए अधिकतम पांच वर्षों की अवधि के लिए सहयोग दिया जाता है। इस परियोजना के तहत दिए जाने वाले सहयोग में उपस्कर, मानवशक्ति, आकस्मिकताएं, उपभोज्य, अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा सहित यात्रा तथा प्रशासनिक एवं बुनियादी सुविधाएं शामिल हैं।

इस कार्यक्रम को देश तथा विदेशों के वैज्ञानिकों के बीच व्यापक रूप से प्रचारित किया गया है। आवेदन पत्रों की जांच हेतु एक सुदृढ़ प्रक्रिया अपनाई गई है। इसमें छः विषय क्षेत्रों नामतः जीवविज्ञान, रासायनिक विज्ञान, भौतिक विज्ञान, इंजीनियरी विज्ञान, गणितीय विज्ञान तथा भू एवं वायुमंडलीय विज्ञान में विशेषज्ञ समिति, एक राष्ट्रीय कोर समिति तथा सचिवों की एक अधिकार प्रदत्त समिति शामिल है।

स्वर्ण जयन्ती फैलोशिप के लिए उम्मीदवारों के चयन की पूरी प्रक्रिया अब पूरी हो गई है तथा मुझे सभा पटल पर स्वर्ण जयन्ती फैलोशिप्स के लिए चुने गए छः युवा वैज्ञानिकों के नामों की घोषणा करते हुए अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। वे उम्मीदवार हैं :-

१. डा. देवज्योति चौधरी, मेहता रिसर्च इंस्टीटयूट ऑफ मेथेमेटिक्स एंड मेथेमेटिकल फिजिक्स, इलाहाबाद।

२. डा. डी. प्रसाद, मेहता रिसर्च इंस्टीटयूट ऑफ मेथेमेटिक्स एंड मेथेमेटिक्ल फिजिक्स, इलाहाबाद।

३. डा.वी.वी. रानाडे, राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला, पुणे।

४. डा. एन. कुमार सिवराजन, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर।

५. डा. एस. उमापति, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर।

६. डा. आर. वरदराजन, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर।

स्वर्ण जयन्ती फैलोशिप्स पाने के लिए मैं इन सभी युवा वैज्ञानिकों को बधाई देना चाहूंगा तथा आने वाले वर्षों में युवा वैज्ञानिकों के लिए स्वर्ण जयन्ती फैलोशिप्स के लिए इस प्रयास के समर्थन हेतु इस सदन का सहयोग चाहूंगा ताकि और अधिक युवा वैज्ञानिक इस कार्यक्रम में भाग ले सकें तथा भारतीय विज्ञान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का स्पर्धात्मक बनाने में सहयोग कर सकें। मैं चाहता हूं कि सदन इन सभी वैज्ञानिकों को बधाई दे क्योंकि ये सब अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक हैं।

(Placed in Library. See No. LT 8/99) _____